Unit-8A

15 LIVING IN THE AGE OF GOOGLE

Learning Outcome

- **Reads, compares, contrasts, thinks critically and relates ideas to life.**
- Infers the meaning of unfamiliar words by reading them in context.

सारांश

"It was the day.....if it was not in practice ?"

परीक्षा के परिणाम आने का दिन था वह/रूपेश के पिता बेचैनी से अपने बेटे का रिजल्ट देखने का इंतजार कर रहे थे। घण्टी बजी। उन्होंने दौड़ कर दरवाजा खोला। पर, रूपेश का रिपोर्ट कार्ड देख भड़क उठे–इतना खराब ग्रेड क्यों आया तुम्हें। और लगे डाँटने कितनी बार कहा तुमसे कि मोबाइल फोन पर मत लगे रहो। सारा दिन या तो मोबाइल, या इन्टरनेट पर लगे रहते हो और रात होते ही टी० वी० चैनल में रम जाते हो/देखो इसका क्या परिणाम हुआ?

रूपेश ने अपने पिता को टोका । नहीं पापा, मैं स्मार्ट फोन या टीवी पर समय बर्बाद नहीं करता हूँ। बल्कि ज्ञान प्राप्ति के लिए इनका उपयोग करते रहता हूँ।

जैसा आप सोचते हैं ये बेकार की चीजें नहीं हैं। मैं अपने प्रश्न गूगल से पूछता हूँ, जवाब जानता हूँ। मुझे इन सबसे नयी–नयी जानकारियाँ, सूचनाएँ. शिक्षाएँ मिलती हैं। ये सब मेरा ज्ञान बढ़ाती हैं। टीवी में भी शैक्षणिक कार्यक्रम होते हैं।

और आपको नहीं पता कि इन सबसे मेरे पाठ कितने रोचक हो जाते हैं। चीजों को मैं बेहतर तरीके से समझता हूँ। वीडियो के पाठ दिमाग पर ज्यादा देर तक असर बनाये रखते हैं। इन्टरनेट से मैं अपने काम की चीजें डाउनलोड कर सुरक्षित कर लेता हूँ, जिन्हें जब समय मिले अध्ययन करता हूँ ।

लेकिन पिता रमेश सन्तुष्ट नहीं दिखे, वह गुस्से में बोलते गये। लेकिन टीवी के प्रति तुम्हारी दीवानगी का क्या ? क्या तुम उसमें फिल्में, संगीत, सीरियल, क्रिकेट मैच नहीं देखते ? क्या यह सब समय की बर्बादी नहीं है?

रूपेश बोला–पर टीवी में कई शिक्षा से जुड़े कार्यक्रम भी तो होते हैं। मनोरंजन के साथ–साथ मैं अपना ज्ञान भी तो बढ़ाता रहता हूँ, जो मुझे दुनिया से जोड़े रखता है।

पर मि० रमेश बहस खत्म करने के मूड में नहीं थे। वह जारी रहे–तुम्हें पता है स्मार्ट फोन और टीवी का ज्यादा प्रयोग करने से हमारी जीवन–शैली खराब हो रही है। पढ़ाई तो ये बर्बाद करते ही हैं, स्वास्थ्य को भी चौपट कर देते हैं।

वह बोलते गये–मैं देख रहा हूँ इन दिनों तुम खेलते नहीं। न बाहर की क्रियाकलापें, न शारीरिक अभ्यास । और फिर मोबाईल और टीवी की शिक्षा का क्या उपयोग है जीवन में?

“Rupesh tried to Convince.....genuinely need information.”

रूपेश ने अपने पिता को समझाने की कोशिश की–पापा आप क्यों नहीं समझते? हम स्कूल में आउटडोर खेल खेलते हैं जिससे हमारा स्वास्थ्य ठीक रहता है और वीडियो गेम से दिमाग चुस्त होता है। स्मार्ट फोन से हमें किसी का जन्मदिन या फोन नम्बर याद रखने की जरूरत नहीं होती। सब फोन याद दिला देता है। हम सामाजिक तौर पर एक दूसरे से जुड़े रहते हैं।

मि० रमेश– ऐसा सामाजिक सम्पर्क किस काम का कि परिवार के लिए ही समय नहीं निकाल पायें। सोशल नेटवर्किंग से लोग तो जुड़ते हैं पर उसमें रिश्तों का वह अपनापन कहाँ।

रूपेश अपना बचाव करता है तो इसका मतलब आप तकनीक को वरदान नहीं मानते। आपको नहीं लगता कि टीवी, मोबाइल और इन्टरनेट में आसानी से तमाम सूचनाएँ उपलब्ध हो जाती हैं। आप यह तो मानते होंगे कि तकनीक पैसे और समय बचाती है। अब हमें टिकट खरीदने रेलवे स्टेशन नहीं जाना पड़ता न ही अपने जरूरी कागजात, डॉक्यूमेन्ट्स लेने दूर किसी स्थान की यात्रा करनी पड़ती है।

मि० रमेश ने इस बात पर हामी भरी–हाँ, यह मैं मानता हूँ। लेकिन सारा दिन मनोरंजन में लगे रहना भी तो अच्छी बात नहीं। यह हानिकारक है जो तुम्हारी पढ़ाई और नींद को खराब करती है। तुम आलसी हो जाते हो । दिन भर टीवी या इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में लगे रहने से तुम ऊँधने लगते हो, उँधने यानी नींद आने लगती है। जब जरूरत

हो तभी कुछ समय के लिए इनसे मनोरंजन करो और हाँ जब वाकई शिक्षा या जानकारी लेना हो ईमादारी से, तभी इनका प्रयोग करो।

"He suggested.....on his online project."

मि० रमेश ने सलाह दी–तकनीक कभी बुरी नहीं होती। इनका आविष्कार हमारे जीवन को आरामदेह बनाने हेतु हुआ है। वे हमारे सेवक हैं। अतः तुम्हें उन्हें अपना मालिक नहीं बनने देना चाहिए । इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स (उपकरणों) के अधिक इस्तेमाल से सिर–दर्द, आँखों की समस्या/रोग, हाइपर–टेन्शन, मोटापा आदि बीमारियाँ होती हैं। मुझे तो कभी–कभी डर होता है कि नयी पीढ़ी हिंसा और अपराध के प्रोग्रामों में कितनी रूचि लेती है

रूपेश शान्त स्वर में बोला–पर हम उनसे बचाव के उपाय भी तो सीखते हैं। ये प्रोग्राम हमें हिंसा और अपराध से सावधान भी तो करते हैं।

कुछ दिनों बाद रूपेश ने अपने पिता मि० रमेश को एक सर्टिफिकेट दिखाया। रूपेश को एक ऑनलाइन प्रोजेक्ट के लिए विदेश से बुलावा आया था। अब तो उसके पिता रमेश की खुशी का ठिकाना न रहा। उन्होंने अपने बेटे से अत्यंत खुश होकर बाँहों में भर लिया। अब वह बहुत खुश थे।

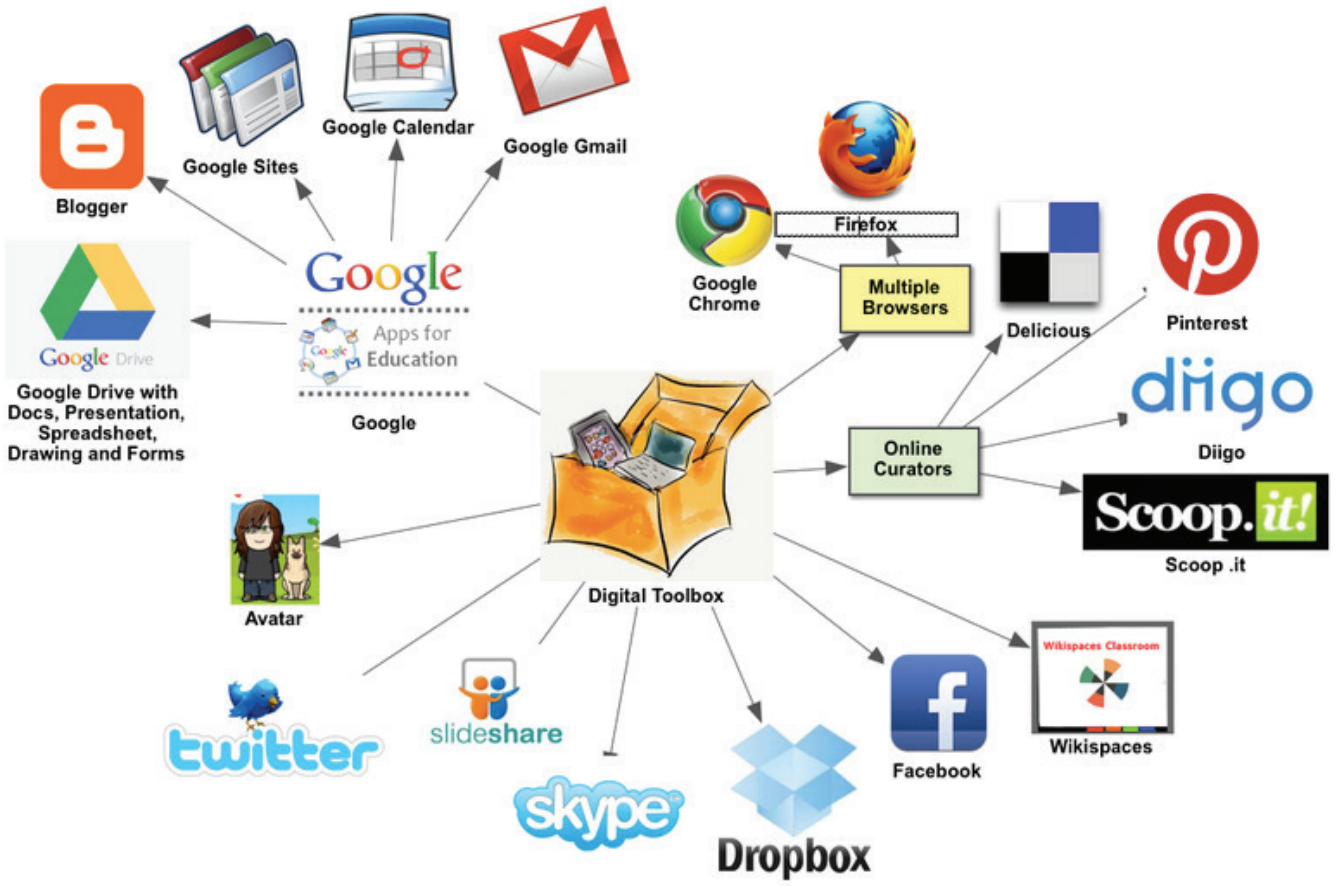

Words Meaning

Rebuking	–	डाँटना।
Animation	–	तकनीक जिसमें आकृतियाँ पुनर्निमित होती है और चलती-फिरती हैं।
Animate	–	जीवित करना।
Surfing	–	नेट का संचालन (इंटरनेट का प्रयोग)
Spanking	–	डाँटना।
Furiously	–	गुस्से से।
Graphics	–	दृश्यपूर्ण आकृतियाँ जो कम्प्यूटर पर दिखती हैं।
consolidate	–	किसी बात/तथ्य/कथन पर बल देना।
Doze off	–	ऊँघना, सोना।
Recreation	–	मनोरंजन।
Irrational	–	बिना तर्क के, तर्कहीन, अर्थहीन।
Obesity	–	मोटापा।
Convinced	–	सहमत होना।
Judiciously	–	समझ सोच के साथ, सावधानी से फैसला लेना।
Interrupted	–	बाधा/व्यवधान डालना, टोकना।
Rational	–	तर्कपूर्ण।
Harnessed	–	अपने नियंत्रण में लाया।
Eagerly	–	उत्सुकतापूर्वक।
Verbal	–	मौखिक।
Defened	–	बचाव करना।
Destination	–	लक्ष्य/गंतव्य स्थल।
Genuinely	–	सही तौर पर, ईमानदारी से।

Obesity	–	मोटापा।
Convinced	–	सहमत होना।
Judiciously	–	समझ सोच के साथ, सावधानी से फैसला लेना।
Interrupted	–	बाधा/व्यवधान डालना, टोकना।
Rational	–	तर्कपूर्ण।
Harnessed	–	अपने नियंत्रण में लाया।
Eagerly	–	उत्सुकतापूर्वक।
Verbal	–	मौखिक।
Defened	–	बचाव करना।
Destination	–	लक्ष्य/गंतव्य स्थल।
Genuinely	–	सही तौर पर, ईमानदारी से।

EXPLORE THE TEXT

A. Answer the following questions :

1. What made Rupesh's father angry?

Ans. Rupesh's father was angry with Rupesh's poor grades.

2. What according to Rupesh was useful for his studies?

Ans. 'According to Rupesh smart phone or TV are useful in studies. He finds many e-books on the net as well as audio-visual educational material and satisfies his queries by posting his questions on different websites and gathers many informations through demonstration classes and video chats etc.

3. What according to Mr. Ramesh was rubbish?

Ans. Sending and receiving messages, chatting, uploading, downloading, poking was rubbish according to Mr. Ramesh.

4. What did Rupesh and his father discuss about social networking sites?

Ans. Rupesh tells his father that through social networking sites one can be in constant touch with each other whether one is near or far. There are no need of remembering contact or anniversaries. It reminds us all. The world due to internet has become a smaller place and we have become more social but Mr. Ramesh contradicts and says if we are in touch with all so why we do not have time to talk. There should be warmth in a relationship and his vital world can't provide it.

5. What is Rupesh's father afraid of ?

Ans. Rupesh's father was afraid of the younger generation, who is being so interested in violence and crime related programmes.

6. How did Mr. Ramesh consolidate?

Ans. Mr. Ramesh was afraid of the younger generation being too interested in violence and crime related programmes. Mr. Ramesh consolidated that he agrees with benefits of social sites but he tells that his son doesn't need entertainment throughout the day. It is harmful and it hampers his study and sleep and its use should be limited.

7. What was Mr. Ramesh proud of?

Ans. Mr. Ramesh was proud of the achievement of his son Rupesh, it's due to appropriate use of technology.

8. What according to you should be the judicious use of information and communication technology?

Ans. The information and communication technology should be used judiciously by not making misuse of internet. We should use it for a good purpose, for gaining knowledge not only for recreation.

B. Write whether the following sentences are 'true' or 'false':

1. Rupesh got excellent marks in all the subjects.
2. Mr. Ramesh was angry to know about his son's poor result.
3. Rupesh used his mobile phone to play games all the time.
4. Mr. Ramesh was totally against the use of technology by his son.
5. Rupesh received the international singing award.

Ans. 1. False, 2. True, 3.False, 4. False, 5.False.

C. Fill in the blanks by referring to the context :

1. Rupesh's father was eagerly ..... for his son.
2. Rupesh could gather information through ..... and ..... .
3. "Through internet, Rupesh could.....and ..... all what he needed for reference and studies.
4. Rupesh got updated through the ..... and other ..... channels.
5. "Technology saves .....and..... ."
6. "Excessive and irrational use of electronic gadgets may lead to ..... , ... , ...and ..... etc.
7. Rupesh received an .... from a prestigious university.

Ans. 1. waiting 2. smart phones, TV 3. download, save 4. internet, T.V., 5. money, time

6. headache, hypertension, obesity 7. International online certificate

Unit-8B

16 BABY ATE A MICROCHIP

LEARNING OUTCOME

- **Recites poems, compares, contrasts, thinks critically and relates ideas to life.**
- Refers to a dictionary.
- Writes answers to textual questions.

सारांश

"Baby ate a .....got erased."

भावार्थ– प्रस्तुत कविता अमेरिकन लेखक और कार्टूनिस्ट नील लेविन द्वारा रचित है, जो बच्चों के लिए हास्यजनक कविताएँ लिखते हैं। कार्टून वर्कशॉप में बच्चों को कार्टून बनाना सिखाते हैं।

उनकी प्रस्तुत कविता भी कम्प्यूटर शब्दावलियों के प्रयोग से भरी हास्यपूर्ण है।

एक बच्चे ने माइक्रोचिप खा लिया। फिर एक बोतल उठाकर एक चुस्की ली और निगल गया। मुँह से उसके कम्प्यूटर की आवाज–बीप निकली। अब वह खुद को बड़ा विद्वान समझने लगा। ABC डाउनलोड करने लगा। 1–2–3 की गणना करने लगा। अपने पिता के इनकम टैक्स के आँकड़ों को भी फालतू ढंग से जोड़–घटाव करने लगा। उसकी यह गणना बढ़ती गयी और अब उसे लगने लगा कि वह सफल हो रहा है। अब वह कम्प्यूटर के पार्ट–पुर्जों से लड़ने लगा, क्रूरता से बिट्स और बाइट्स से। उसे अपनी उपलब्धि पर नाज हो रहा था। पर यह क्या बच्चे को कम्प्यूटर में आयी खराबी बग ने पकड़ लिया। वह जल्दी से कम्प्यूटर को बन्द कर फिर से चालू करने लगा। लेकिन तभी अचानक से सब मिट गया, गायब हो गया।